

तुबारि संपादकीय
टीम

◆अस इ उम्मिद करुं लगे से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

◆इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एकट अन्तर रिजिट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पहुँ जे इ पत्रिका शुरु कियो सि।

◆तुबारि एक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

◆तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलित कहेण जे नेई छपाण लगे। अगर कोइ ई सोचता बि त अस जिम्मेवार नेई।

◆छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पागेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

◆आर्टिकल ना मिलए, या घाटि मेहणु के मदद ना मिलए त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

◆कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

◆अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेइ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ट्राप बॉक्स पुठ बि अपुं सजाव ओर आर्टिकलस रखुं जे सुविधा कियो असि।

◆अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अच्छा आर्टिकल, पुराणि या नौई कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पांगवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंनदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418431531

9418429574

9418329200

9418411199

9418411599



कि तूं जीवन चलान्ता

हर मेहणु जीवन कैसे न कैसे चीजे बोलि प्रेरित भुन्ता। कि तूं जिन्दगी तकलीफे या दुखे या डरे या अन्दाजे विश्वासे बोलि चलण लगे असी ना? सुआ मेहणु अपु जिन्दगी गलत भावना जुओई चलान्ते। से अपु पुरि जिन्दगी दुख केआं नशण त अपु गलती नोकाण अन्तर मुकाई छते। “कत धन्य असा, से मेहणु जेसे ठटि गलत भावना मुकाई छो असि त सोब पाप माफ काई छो असे, परमेश्वरे तेन्के सोब लेखा-जोखा साफ कई छौ असा।

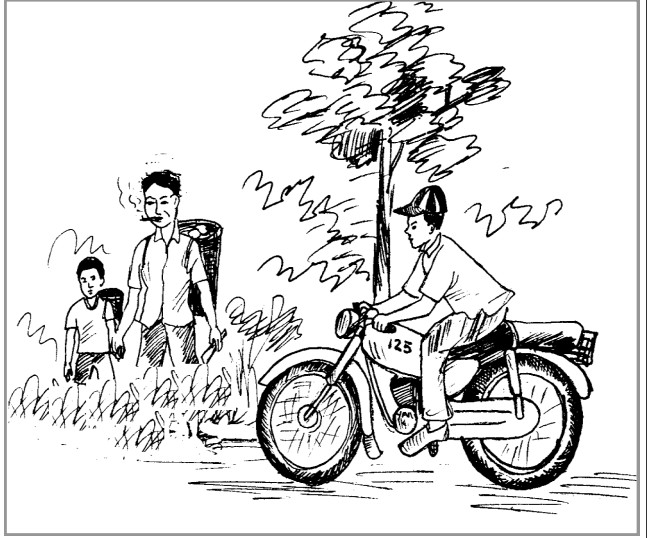
हऊ सुआ मेहणु लेहर त बुरु मनण जुओइ अपु जिन्दगी चलान्ते से कदी कैसे माफ न कते त लेहर केदी छड़ी न देन्ते। पर माफ काई कई छड़ देणे जगाई अपु दिल अन्तर हाउ तेस बढ़ान्ते। जेन्हि मेहणु ताउ दुख दितो थिआ से अब ताउ दुख न दी सकते जपल तकर तें मन अन्तर तेन्हि जे बुरु मनणे भावना भीं न कदियेल। “मरण तकर कैसे जे बुरि भावना रखिण मुखता त बैकार बौक भो”।

सुआ मेहणु डरि कई अपु जिन्दगी चलान्ते। डर अपेप बड़ौं यक जेल भो। परमेश्वरे जे तुस बणो असे तेस बण केआं डर तुसि रोकता।

कुछ मेहणु माउं हाउ लोतु हाउ लोतु कई कइ अपु जिन्दगी चलान्ते, सुआ चाहणे बाड़े ईच्छा हमेशा गलत भुन्ति त से सोचते कि सुआ चीज, धन-दौलत, जिमि मेणे बोलि आउं सुआ खुश रहन्ता, टज अन्तर सुआ खास त हिफाजत जुओइ रहन्ता, पर से केदी संतुष्टि न देन्ते। रुपेई के मामले अन्तर मेहणु सुआ गलतफेहमी असि कि सुआ रुपेई भोल त से सुआ हिफाजत जुओई रेहि सकते, पर ए गलत असु, रुपेई सिर्फ कुछ टेमे लिए हेन्धे खुशी देन्ते। “धन दौलत सुआ कारणि के बोलि मुकि सकते त मेहणु केई रुपेई न टिकते”। असली हिफाजत सिर्फ ओन्हि अन्तर मेति जेस अन्तर जे तुसि केआं केदी कोई छिन न सकते, “से भो परमेश्वर जुओइ तूं संबन्ध”।

कुछ मेहणु ईजीत करुण जे तेसे लक्ष्य रजनंवा काई कई जीते। कुछ मेहणु इस चिंता अन्तर जीते कि होरे मेहणु तेसे बारे कि सोचते, त से बि अपु लक्ष्य छड़ दी कई तेस खुश करुण जे भीड़ अन्तर शामिल भोई घेन्ते। माउं सफल भुणे सोबि तरिकि के पता नेई पर असफल भुणे यक तरीके पता असा, जे सोब मेहणु खुश रखुण चाहता। अस सोबि टेम होरि के बोकि पुठ हंटियेल त अस पक्का अपु जिन्दगी अन्तर परमेश्वरे उद्देश्य छड़ देन्ते। कोई बि मेहणु दुई “मालिकि के सेवा न कई सकता”।

परमेश्वरे असि इस धरती पुठ जीणे मौका किस दितो असा, एसे पता लाण हें जिन्दगी पहला उद्देश्य भो। बिना उद्देश्य जिन्दगी, तति खास नेई, एसे मतलब बि नेई त ए बेकार जिन्दगी असि। अस अगले मेहन आर्टिकल अन्तर उद्देश्य चालित जिन्दगी जीणे फायदे बारे हेरते।



यक ग्रां यक मेहणु थिआ। से रोज ब्यागे केंआ ब्यादी तकर जंगल बिशतथ। तेन जंगले बड़ जे बी मेहणु घेन्तेथ, से तन्के सोब समान लुठ छतथ। से तस लुटो समाने बड़ अपु टबरे गुजारा करण लगोथिआ। यक रोज तसे गिहाली पता लगा, कि से जंगल केंआ मेहणु लुठ-लुठ समान अणत, त हें गुजारा कता। तउ तसे गिहे बाड़े तस जंगल न घेण देंतथ। तउ तेन मेहणु बोलु कि, अउ की बुरु करुण लगोसा। ठीक असु, अउं तुं सोबि के पेठ भरण लगोसा। तउं तसे गिहाली बोलु, लुटो समाने बड़ अस अपु गुजारा न कते। इ सोब शुण कइ से मेहणु चुप बुठा, से मेहणु होर कोइ न थिआ, से वाल्मिकी ऋषि थिआ। से इ सोब करणे त समझणे पता तेन रामएण



लिखो थी। तउ बोते मेहणु हमेशा मेहणु केंआ शिचते, से चाहे बुरु कम भो या खरु कम भो। बबिता

कुछ खास खबर

- ◆ इस साल पंगेई सुआ मटरे फसल भो असी ,मटर बेच कइ पंगेई जिमदारी सुआ फयदा भो असा।
- ◆ स्वातन्त्रता दिवस किलाड स्टेज पुट मनो थिआ,तेस पगेई आर;सी; ए पंगेई मेहणु जे मुबारक दुतो थी।तेस सुआ गभरु कविता,त देश भक्ति घीत लो थिए त नचो थिए।तेस माहिला मण्डले बडी के घीत त घुरेई बी थी।
- ◆ पंगेई एस,डी,एम,पंगेई सब्जी त मिटे व्यापारी के यक मिटिंग रखो थी, जस अन्तर सब्जी त मिटे किमत कम करणे बोलो असु।

जुएल अपु धाण जे.....

बबिता

शुणे जी! हि ब्यादि, तें कोये रामु, में परस अन्तरा दस रुपेइ चोरो थिआ।



न-न ए रामु कम न भोइ सकतु, किस कि से पंजाह रुपेइ केंआ घट कदी चोरता नऊ।

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

Physical Medicine Rehabilitation Clinic

DR. ROSY DHANUNJAY. Moth

पेंगेई मेहणु जे खुशखबरी असि कि, पी० एम० आर० क्लीनिक (PMR Clinic) किलाइ पोस्ट ओफिसे भेइ असा।

Specialized in Neurosciences

9418411599

रीड़े हड्डी चोट, जिस्म सुन भुणे बिमारी, मोडु चिंग, जियेणु चिंग, टुटो हड्डी, अपंग त होरि बिमारी के

पी एम आर क्लीनिक सितम्बर 2 केंआ 30 तक बन्द असा

हस्पताइ रिफ्रेन्स बोलि मरीजे ईलाज इठि भून्ता।

Cerebral palsy, Paralysis, Spinal cord injury, Spondylosis, Physiotherapy and Physical disability counseling etc treatment is available here. TIMINGS:- MONDAY TO FRIDAY 10.00AM TO 01.00.PM.